

* पर्यावरण और कला समेकित शिक्षा :-

मनुष्य के

चारों ओर का वातावरण इसे अत्यधिक प्रभावित करता है।

कला शिक्षा के माध्यम से हम पर्यावरण को समझकर अपनी खेवदनाओं को अभिव्यक्त कर सकते हैं।

भूगोल एवं पर्यावरण अध्ययन के शिक्षण में क्षेत्रीय कलाओं और हस्त शिल्पों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

विभिन्न पर्यावरणीय समस्याओं को स्थानीय शिल्प एवं उसके द्वारा निर्मित एवं अन्य वस्तुओं से विद्यालय के संग्रहालय को विकसित किया जा सकता है।

⇒ विद्यालय में पर्यावरण शिक्षण को कला का समेकन, हाथीपुर्जा तथा आनन्ददायी बनाने के लिए निम्नलिखित जात्रिकाधियों को अपनाया जा सकता है -

a) किसी लोककालीन कला प्रदर्शनी या संग्रहालय जाकर उनका अध्ययन और रिपोर्ट तैयार करना।

b) किसी मंडले का भ्रमण कर उस पर रिपोर्ट देना।